



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 9 अक्टूबर, 2002/17 आश्विन, 1924

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 9 अक्टूबर, 2002

मह्या एन० एल० आर०-डी० (6)-16/2002-लेव.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 200 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 9-10-2002 को अनुमोदित हिमाचल

1988

असाधारण राजपत्र, हिमाचल प्रदेश, 9 अक्तूबर, 2002/17 अश्विन, 1924

प्रदेश पत्र (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2002 (2002 का विधेयक संख्यांक 14) को वर्ष 2002 के अधिनियम संख्यांक 16 के रूप में अनुच्छेद 348(3) के अधीन उसके अंग्रेजी प्राधिकृत पाठ सहित हिमाचल प्रदेश राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित करते हैं।

आदेश द्वारा,

जे० एल० गुप्ता  
सचिव (विधि)

## हिमाचल प्रदेश पथकर (द्वितीय संशोधन) अधिनियम, 2002

(राज्यपाल महोदय द्वारा तारीख 9 अक्तूबर, 2002 को यथा अनुमोदिन)

हिमाचल प्रदेश पथकर अधिनियम, 1975 (1975 का 9) का और संशोधन करने के लिए अधिनियम ।

भारत गणराज्य के तिरपनवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश पथकर (द्वितीय संशोधन) अधिनियम, 2002 है ।

संक्षिप्त नाम  
और  
प्रारम्भ ।

(2) यह 21 मई, 2001 को प्रवृत्त हुआ समझा जाएगा ।

1975 का 9

2. हिमाचल प्रदेश पथकर अधिनियम, 1975 (जिसे इसमें इसके पश्चात् “मूल अधिनियम” कहा गया है) की धारा 2 में, विद्यमान खण्ड (घ-क) के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

धारा 2 का  
संशोधन ।

“(घ-क) पथ संरचना से, पथ, सुरंग, फ्लाईओवर, पुल, भूमिगत पथ, पहुँच या सम्पर्क मार्ग या उप-मार्ग अभिप्रेत हैं और इसके अन्तर्गत इन से आनुषंगिक अन्य सेवाएं एवं सुविधाएं भी हैं ;”।

3. मूल अधिनियम की धारा 3 में,—

धारा 3 का  
संशोधन ।

(i) उप-धारा (1) में, “के उपर निकलने” शब्दों के स्थान पर, “का उपयोग करने” शब्द रखे जाएंगे; और

(ii) उप-धारा (3) में, “के उपर निकलने” शब्दों के स्थान पर, “का उपयोग करने” शब्द रखे जाएंगे ।

4. मूल अधिनियम की विद्यमान धारा 6 के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

धारा 6 का  
संशोधन ।

“6. बैरियरों की स्थापना.—राज्य सरकार, समय-समय पर, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा इस अधिनियम के प्रयोजनों के लिए किसी भी पथ संरचना पर बैरियरों को स्थापित कर सकेगी या उन्हें हटा सकेगी ।” ।

1975 का 9

5. हिमाचल प्रदेश पथकर अधिनियम, 1975 (जिसे इसमें इसके पश्चात् “मूल अधिनियम” कहा गया है) में किसी बात के प्रतिकूल होते हुए भी मूल अधिनियम के अधीन 21 मई, 2001 को या के पश्चात् किसी भी समय परन्तु हिमाचल प्रदेश पथकर (द्वितीय संशोधन) अधिनियम, 2002 (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है) के प्रकाशन से पूर्व पथकर का उद्ग्रहण संग्रहण या संदाय या की गई कोई कार्रवाई या की गई कोई बात या किए जाने के लिए तात्पर्यित कार्रवाई या बात, विधिमन्य या प्रभावो ममझी जाएगी मानो कि ऐसा उद्ग्रहण, संग्रहण या संदाय या की गई कोई कार्रवाई या बात उक्त अधिनियम के

विधिमन्य-  
करण ।

उपबन्धों के अधीन की गई हो और सदानुसार—

- (i) उक्त अधिनियम के प्रकाशन से पूर्व, मूल अधिनियम के उपबन्धों के अधीन, उद्गृहीत, संगृहीत या संदत्त, या उद्गृहीत, संगृहीत या संदत्त किए जाने को तात्पर्यित उपर्युक्त पथकर, विधि के अनुसार विधिमाम्यतः उद्गृहीत और संगृहीत किया गया समझा जाएगा और सदैव समझा जाएगा ;
- (ii) उपर्युक्त किसी प्रकार के पथकर के बारे में जो संगृहीत या संदत्त किया गया है, किसी न्यायालय या किसी प्राधिकरण के समक्ष प्रतिदाय के लिए कोई वाद या अन्य कार्यवाहियां नहीं होंगी या जारी नहीं रखी जाएंगी और किसी न्यायालय या अन्य प्राधिकरण द्वारा प्रतिदाय को निदेशित करने वाली किसी डिक्री या आदेश का प्रवर्तन नहीं किया जाएगा ;
- (iii) उन सभी राजियों की वसूलियां, यदि कोई हों, उक्त अधिनियम द्वारा यथा संशोधित मूल अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार की जाएंगी, जो तदधीन ऐसे उपर्युक्त पथकर के रूप में संगृहीत की गई होती यदि उक्त अधिनियम सभी तात्त्विक समयों पर प्रवृत्त हो ; और
- (iv) उक्त अधिनियम के प्रकाशन से पूर्व, मूल अधिनियम के अधीन की गई कोई कार्रवाई या बात (जिसके अन्तर्गत बनाया गया कोई नियम या आदेश, स्थापित किया गया या हटाया गया कोई वैरियर, जारी की गई अधिनूचना या दिए गए निर्देश सम्मिलित हैं) सदैव, उक्त अधिनियम द्वारा यथा संशोधित मूल अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार विधिमाम्य रूप में की गई या की गई समझी जाएगी ।

2. शर्तों के निराकरण के लिए, एतद्वारा यह घोषणा की जाती है कि —

- (क) उप-धारा (1) की किसी बात का किसी व्यक्ति को निम्नलिखित में निवारित करने के रूप में अर्थ नहीं लगाया जाएगा—
  - (i) उपर्युक्त पथकर के उद्ग्रहण, संग्रहण या संदाय को, उक्त अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार प्रश्नगत करने से ; या
  - (ii) उस द्वारा उक्त अधिनियम द्वारा यथा संशोधित मूल अधिनियम के उपबन्धों के अधीन उससे देय रकम से अधिक संदत्त किए गए उपर्युक्त पथकर के प्रतिदाय के दावे से ; और
- (ख) उक्त अधिनियम के प्रकाशन से पूर्व, किसी व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य या खुटि अपराध के रूप में दण्डनीय नहीं होगी, जो इस प्रकार दण्डनीय न होनी, यदि उक्त अधिनियम प्रवृत्त न हुआ होता ।

2002 के  
अध्यादेश  
संख्यांक 1  
का निम्न  
पीर  
व्यावृत्तिया ।

6. (1) हिमाचल प्रदेश पथकर (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, 2002 का एतद्वारा निरसन किया जाता है ।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, निरमित अध्यादेश के अधीन की गई कोई बात या कार्रवाई इस अधिनियम के नव्यानी उपबन्धों के अधीन की गई समझी जाएगी ।

## FORM NO 16 [See Rule 3 (i)a]

CERTIFICATE UNDER SECTION 203 OF THE INCOME TAX ACT 1961 FOR  
TAX DEDUCTED AT SOURCE FROM INCOME CHARGEABLE UNDER THE HEAD "SALARIES"

NAME &amp; ADDRESS OF THE EMPLOYER

NAME &amp; DESIGNATION OF EMPLOYEE

CHIEF SECRETARY TO THE GOVT. OF  
HIMACHAL PRADESHSH/SMT/DR: DHANPAT RAM TANWAR  
SUPDT.

PAN/GIR NO

TAN

PAN/GIR NO

TSS Circle where annual return/  
Statement under section 206 is/  
to be filed

Period	Assessment year
From to	
3/01 2/02	2002-2003

## DETAILS OF SALARIES PAID AND ANY OTHER INCOME AND TAX DEDUCTED

1. Gross salary	Rs : 188694	
2. Less Allowances to the extent exempt under sec.10	Rs : 12845	
3. Balance [1-2]	Rs : 175849	
4. Deductions :		
(a) Standard Deduction	Rs : 25000	
(b) Entertainment Allowance	Rs : 0	
(c) Tax on employment	Rs : 0	
5. Aggregate of 4 [a to c]	Rs : 25000	
6. Income Chargeable under the head "Salaries" [3-5]	Rs : 150849	
7. Any other income Reported by employee	Rs : 0	
8. Gross total income [6 plus 7]	Rs : 150849	
9. Deduction under Chapter VI-A		
(a) Gross Amount	Qualifying Amount	Ded Amt
00.00	00.00	00.00

See Section 15 & 17 & Rule 3. Furnish Separate details of value  
of the perquisites & profits in lieu or in addition to sal/wages

10. Aggregate of deduct amounts under Chapter VI-A	Rs : 0
11. Total income [8-10]	Rs : 150850
12. Tax on total income	Rs : 19255
13. Rebate and Relief Under Chapter VIII	Rs : 75670

## I. Under Section 88 (Please specify)

(a) GPF DEDUCTION	Rs : 67750
(b) Group Insurance Scheme	Rs : 720
(c) LIC/PLI	Rs : 0
(d) HOUSE BUILDING ADVANCE	Rs : 7200
(e) OTHERS [HSS/NSC/CTD/UTI/PPF etc.]	Rs : 0
(f) TOTAL [a to e]	Rs : 75670

## II. Under Section 88 A (Please specify)

## III. Under Section 89 (Attach details)

14. Aggregate of Tax rebate & relief at 13 above	Rs : 12000
15. Tax Payable [12-14] and Surcharge thereon	Rs : 7400
16. Less tax Deducted at Source	Rs : 7756
17. Tax payable/refundable [15-16]	Rs : -356 [Paid Excess]

establish or remove barriers on any road infrastructure,  
for the purposes of this Act."

5. Notwithstanding anything contained to the contrary in the  
Himachal Pradesh Tolls Act, 1975 (hereinafter referred to as the  
"principal Act"), levy, collection or payment of toll or any action taken  
or anything done or purporting to have been taken or done under  
the provisions of the principal Act, at any time on or after the



**AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT**

Act No. 16 of 2002.

**THE HIMACHAL PRADESH TOLLS (SECOND AMENDMENT) ACT, 2002**

(AS ASSENTED TO BY THE GOVERNOR ON 9TH OCTOBER, 2002)

AN

ACT

*further to amend the Himachal Pradesh Tolls Act, 1975 (Act No. 9 of 1975).*

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Fifty-third Year of the Republic of India, as follows :—

1. (1) This Act may be called the Himachal Pradesh Tolls (Second Amendment) Act, 2002.

Short title and commencement

(2) It shall be deemed to have come into force on the 21st day of May, 2001.

9 of 1975

2. In section 2 of the Himachal Pradesh Tolls Act, 1975 (hereinafter referred to as the 'Principal Act'), for the existing clause (d-a), the following shall be substituted, namely:—

Amendment of section 2.

“(d-a) “road infrastructure” means roads, tunnels, flyovers, bridges, underground roads, approach or link roads or by-passes and includes other services and facilities ancillary thereto;”.

3. In section 3 of the principal Act,—

Amendment of section 3

(i) in sub-section (1), for the words “passing over”, the words “for the use of” shall be substituted; and

(ii) in sub-section (3), for the words “passing over”, the word “using” shall be substituted.

4. For the existing section 6 of the principal Act, the following shall be substituted, namely :—

Amendment of section 6.

“6. *Establishment of barriers.*—The State Government may, from time to time, by notification in the Official Gazette, establish or remove barriers on any road infrastructure, for the purposes of this Act.”.

9 of 1975

5. Notwithstanding anything contained to the contrary in the Himachal Pradesh Tolls Act, 1975 (hereinafter referred to as the “principal Act”), levy, collection or payment of toll or any action taken or anything done or purporting to have been taken or done under the principal Act, at any time on or after the

Validation.

21st day of May, 2001 but before the publication of the Himachal Pradesh Tolls (Second Amendment) Act, 2002 (hereinafter referred to as the "said Act"), shall be deemed to be valid and effective as if such levy, collection or payment or any action or anything had been taken or done under the provisions of the said Act and accordingly—

- (i) the aforesaid toll levied, collected or paid or purporting to have been levied, collected or paid under the provisions of the principal Act, before the publication of the said Act shall and shall always be deemed to have been validly levied, collected or paid in accordance with the law ;
- (ii) no suit or other proceedings shall be maintained or continued in any court or before any authority for the refund of, and no enforcement shall be made by any court or authority of any decree or order directing the refund of any such aforesaid toll which has been collected or paid ;
- (iii) recoveries, if any, shall be made in accordance with the provisions of the principal Act as amended by the said Act, of all amounts which would have been collected thereunder as such aforesaid toll if the said Act had been in force at all material times; and
- (iv) any action taken or anything done (including any rule or order made, any barrier established or removed, notification issued or directions given) under the principal Act, before the publication of the said Act, shall and shall always be deemed to have been validly taken or done in accordance with the provisions of the principal Act, as amended by the said Act.

(2) For the removal of doubts, it is hereby declared that—

(a) Nothing in sub-section (1) shall be construed as preventing any person—

- (i) from questioning in accordance with the provisions of the said Act, the levy, collection or payment of the aforesaid toll; or
- (ii) from claiming refund of the aforesaid toll paid by him in excess of the amount due from him under the provisions of the principal Act as amended by the said Act; and

(b) No act or omission on the part of any person, before the publication of the said Act, shall be punishable as an offence which would not have been so punishable if the said Act had not come into force.

6. (1) The Himachal Pradesh Tolls (Second Amendment) Ordinance, 2002, is hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the repealed Ordinance, shall be deemed to have done or taken under the corresponding provisions of this Act.

Repeal of  
Ordinance  
No. 1 of  
2002 and  
savings.